किसान सहयोग विमर्श

अन्नदाता के साथ, समृद्धि की ओर

बिहार के प्रगतिशील किसानों के साथ बैंकिंग संवाद



श्री गुणानंद गामी

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय पटना (बिहार एवं झारखंड)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

लोक भवन, पटना | 27 अक्टूबर 2026

बिहार: कृषि ही जीवन का आधार

75%

राज्य की आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर

~90%

जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है

90%

देश के मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी

Rs 1.62 लाख करोड़

चौथा कृषि रोडमैप (2023–28)

बिहार की कृषि-शक्ति: जहाँ बैंक ऋण मूल्य-श्रृंखला बना सकता है

मखाना

मिथिला मखाना – GI टैग; राष्ट्रीय मखाना बोर्ड

लीची व आम

शाही लीची, जर्दालु आम – निर्यात की संभावना

मक्का व केला

पूर्णिया–कटिहार–समस्तीपुर क्लस्टर

सब्ज़ियाँ

देश के अग्रणी सब्ज़ी उत्पादक राज्यों में

डेयरी

सुधा मॉडल; छोटे किसानों की नियमित आय

मत्स्य पालन

राज्य मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर

स्रोत: बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26; चौथा कृषि रोडमैप (2023-28); केंद्रीय बजट 2025-26 (मखाना बोर्ड)

बिहार में कृषि ऋण – एक झलक (SLBC, 30.06.2026)

Rs 93,631 करोड़

सभी बैंकों का कृषि ऋण बकाया (कुल ऋण का 26.4%)

31.86 लाख

सक्रिय KCC खाते – Rs 23,369 करोड़ बकाया

Rs 1.57 लाख करोड़

वार्षिक ऋण योजना 2026-27 में कृषि का लक्ष्य

56.9%

राज्य का ऋण-जमा अनुपात (CD Ratio)

संदेश स्पष्ट है – बिहार में कृषि ऋण की बड़ी संभावना अभी बाकी है

- राज्य में हर चार रुपये के बैंक ऋण में से एक रुपया खेती में जाता है – देश के औसत से कहीं अधिक
- फिर भी राज्य का ऋण-जमा अनुपात 57% है – यानी बिहार की बचत का बड़ा हिस्सा बिहार में ही निवेश होना बाकी है
- हर पात्र किसान तक KCC, हर गाँव तक पशुपालन-मत्स्य ऋण, हर क्लस्टर में FPO व भंडारण – यही आगे का रास्ता है
- यूनियन बैंक इस यात्रा में राज्य सरकार, नाबार्ड और SLBC का सक्रिय भागीदार है

स्रोत: 98वीं SLBC बिहार – एजेंडा संदर्भ पुस्तिका, स्थिति 30.06.2026 (जमा Rs 6,23,768 करोड़; ऋण Rs 3,54,895 करोड़)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया – 108 वर्षों से भरोसे का नाम

1919
में स्थापना, मुंबई

1921 में महात्मा गांधी जी ने बैंक के प्रधान कार्यालय भवन का उद्घाटन किया

आंध्रा बैंक व कॉर्पोरेशन बैंक के विलय के बाद देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक

"Good people to bank with"

टोल-फ्री: 1800 2333

Rs 24.75 लाख करोड़
कुल व्यवसाय

Rs 1.90 लाख करोड़
कृषि ऋण – 12.71% वार्षिक वृद्धि

57.5%
घरेलू ऋण में खुदरा-कृषि-MSME (RAM)

2.42%
सकल NPA – मज़बूत आस्ति गुणवत्ता

Rs 5,537 करोड़
तिमाही शुद्ध लाभ (जुलाई–सितंबर 2026)

3.49 करोड़
जन-धन खाते – Rs 16,671 करोड़ जमा

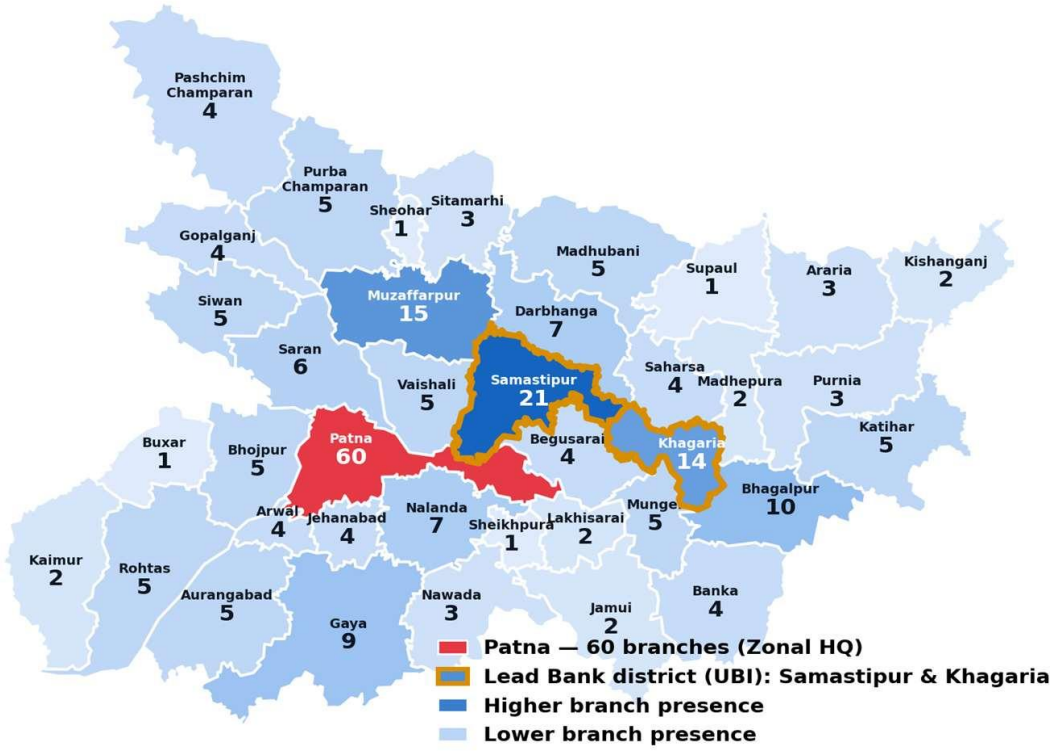
देशभर में नेटवर्क – गाँव-गाँव तक पहुँच

- **8,713** शाखाएँ
- **8,815** ATM
- **28,654** बैंक मित्र (BC)
- **1,670** गोल्ड लोन पॉइंट

तिमाही में 6.23 लाख PMJJBY, 21.76 लाख PMSBY व 2.85 लाख APY नामांकन; नवीकरणीय ऊर्जा को Rs 39,110 करोड़ स्वीकृत

स्रोत: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया – वित्तीय परिणाम प्रेस विज्ञप्ति, तिमाही समाप्त 30.09.2026 (जारी 19.10.2026, मुंबई)

बिहार में यूनियन बैंक – सभी 38 ज़िलों में, आपके द्वार पर



मानचित्र में अंक = ज़िले में शाखाओं की संख्या; लाल = पटना (अंचल मुख्यालय); सुनहरी सीमा = अग्रणी बैंक ज़िले

248
शाखाएँ – सभी 38 ज़िलों में

60
शाखाएँ पटना ज़िले में (24%)

2 ज़िले
अग्रणी बैंक: समस्तीपुर व खगड़िया

Rs 17,611 करोड़
जमा राशि

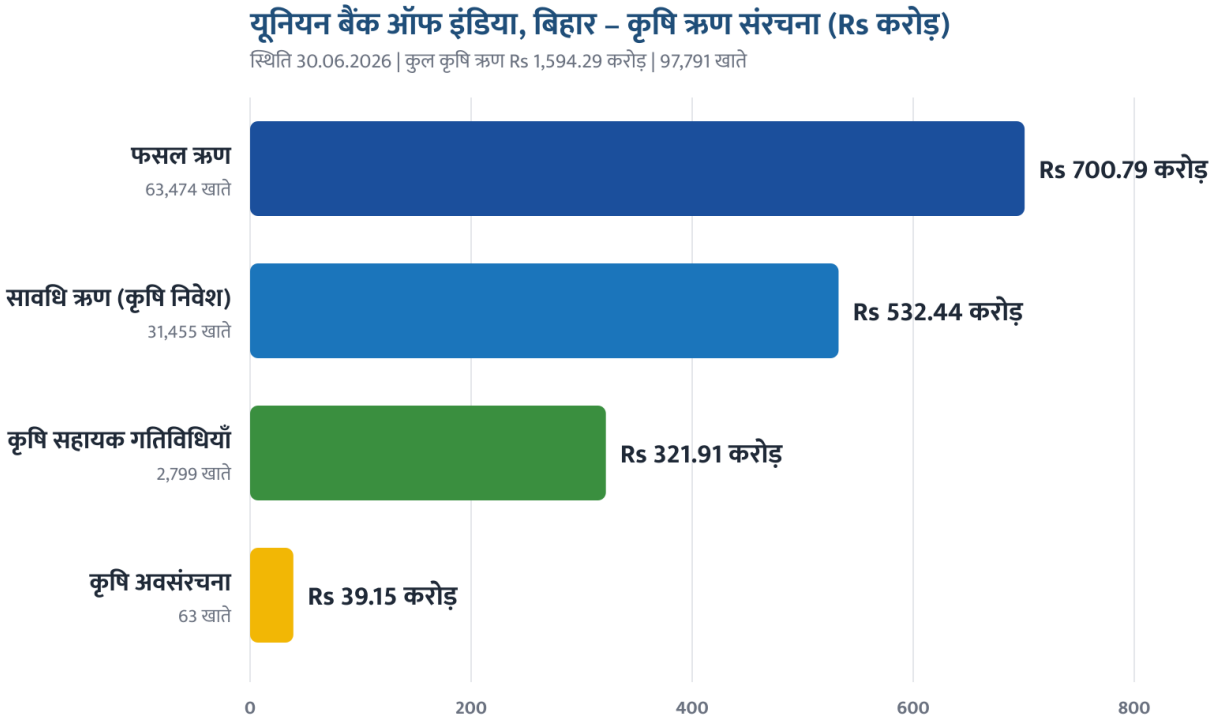
Rs 7,642 करोड़
ऋण (RIDF सहित Rs 8,534 करोड़)

Rs 1,594 करोड़
कृषि ऋण – 97,791 किसान खाते

अंचल कार्यालय पटना – बिहार में चार क्षेत्रीय कार्यालय

- पटना • गया • भागलपुर • समस्तीपुर
- शीर्ष 5 ज़िलों (पटना, समस्तीपुर, मुज़फ्फरपुर, खगड़िया, भागलपुर) में 48% शाखाएँ
- प्राथमिकता क्षेत्र ऋण Rs 4,473 करोड़ = कुल ऋण का 58.5%; 65,642 किसान क्रेडिट कार्ड

किसानों के साथ हमारी साझेदारी – कृषि ऋण संरचना



इसमें से Rs 388 करोड़ (23,952 खाते) पशुपालन, डेयरी, मत्स्य जैसी संबद्ध गतिविधियों में

94,269

लघु एवं सीमांत किसान – Rs 1,189 करोड़ (कृषि ऋण का ~75%)

16,765

पशुपालन KCC – Rs 216 करोड़

35,170

महिला ऋणी – Rs 987 करोड़ बकाया

1,00,162

कमज़ोर वर्ग के खाते – Rs 1,287 करोड़

स्रोत: 98वीं SLBC बिहार – कृषि बकाया, KCC, कमज़ोर वर्ग एवं महिला ऋण तालिकाएँ, स्थिति 30.06.2026

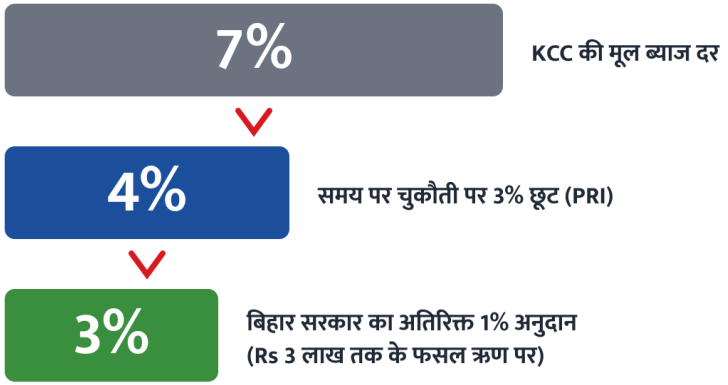
चालू वर्ष की शुरुआत (अप्रैल–जून 2026): ज़मीन पर काम

15,121 किसानों	को Rs 301 करोड़ का नया कृषि ऋण – फसल, निवेश और संबद्ध गतिविधियों के लिए
6,678 डेयरी इकाइयाँ	Rs 80.56 करोड़ – बैंक के संख्या-लक्ष्य का 93% केवल पहली तिमाही में
सहायक गतिविधियाँ	Rs 125.57 करोड़ – भंडारण, प्रसंस्करण व कृषि-सेवा उद्यमों को
5,948 महिलाओं	को Rs 126 करोड़ ऋण; जीविका के 652 स्वयं सहायता समूहों को Rs 28 करोड़ ऋण-संबद्धता
14,234 लघु-सीमांत किसानों	को Rs 158 करोड़ – छोटी जोत, बड़ा सहारा

स्रोत: 98वीं SLBC बिहार – वित्त वर्ष 2026-27 (01.04.2026 से 30.06.2026) संवितरण तालिकाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड (यूनियन ग्रीन कार्ड) – किसान का सबसे बड़ा साथी

समय पर चुकाने वाले किसान के लिए प्रभावी ब्याज दर



Rs 5 लाख तक
ब्याज अनुदान योजना (MISS) की सीमा – बजट 2025-26 में Rs 3 लाख से बढ़ाई गई

Rs 2 लाख तक बिना गिरवी
कोई संपार्श्विक नहीं; सरल दस्तावेज़

5 वर्ष की सीमा
हर साल सरल नवीकरण; फसल चक्र के अनुसार चुकौती

RuPay KCC कार्ड
ATM, PoS और UPI पर उपयोग; नकद की ज़रूरत नहीं

एक कार्ड – सब काम
फसल, कटाई के बाद का खर्च, घरेलू ज़रूरत, पशुपालन व मत्स्य

आपदा में राहत
प्राकृतिक आपदा पर ऋण पुनर्गठन व ब्याज राहत का प्रावधान

KCC कैसे लें?

1. निकटतम यूनियन बैंक शाखा / बैंक मित्र से संपर्क करें या Jan Samarth पोर्टल व बैंक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करें
2. ज़रूरी दस्तावेज़: आधार, पैन/फॉर्म 60, भूमि अभिलेख (LPC/रसीद), पासपोर्ट फोटो, बोई गई फसल का विवरण
3. किरायेदार किसान, बटाईदार व मौखिक पट्टेदार भी पात्र; पशुपालन/मत्स्य KCC हेतु पशु/तालाब का विवरण (मास्टर परिपत्र 1953)
4. सीमा स्वीकृति – RuPay कार्ड व खाता सक्रिय; आवेदन का समयबद्ध निपटान हमारी प्राथमिकता

स्रोत: संशोधित ब्याज अनुदान योजना (MISS) – भारत सरकार/RBI; बिहार सरकार–नाबार्ड समझौता (अतिरिक्त 1% अनुदान, Rs 3 लाख तक);

यूनियन बैंक के 31 कृषि ऋण उत्पाद – हर किसान, हर ज़रूरत के लिए

फसल व कार्यशील पूँजी

- किसान क्रेडिट कार्ड (यूनियन ग्रीन कार्ड)
- KCC – पशुपालन एवं मत्स्य (CCAHF)
- किसान तत्काल ऋण
- ऋण अदला-बदली (Debt Swap) योजना
- गोदाम रसीद पर ऋण (WHR)

यंत्रीकरण व निवेश

- फार्म मैकेनाइज़ेशन (ट्रैक्टर/हार्वेस्टर/टिलर)
- किसान ऑल-पर्पज़ टर्म लोन (KAPTL)
- यूनियन एग्री सर्विसेज़ (कस्टम हायरिंग)
- फार्म ट्रांसपोर्ट (2/3/4 पहिया वाहन)
- नवीकरणीय ऊर्जा – सोलर पंप, सोलर लाइट

भूमि, सिंचाई व बागवानी

- फार्म इरिगेशन – बोरवेल, ड्रिप, स्प्रिंकलर
- फार्म डेवलपमेंट – समतलीकरण, बंधान
- कृषि भूमि क्रय ऋण
- एस्टेट परचेज़ ऋण
- नर्सरी, बीज उत्पादन, बागान व बागवानी
- हाई-टेक कृषि परियोजनाएँ

पशुपालन व मत्स्य

- डेयरी – मिनी (10 पशु तक) व वाणिज्यिक
- भेड़, बकरी, सूअर पालन
- पोल्ट्री (मुर्गी पालन)
- मत्स्य पालन – अंतर्देशीय व समुद्री
- मधुमक्खी पालन, रेशम कीट, वर्मी कम्पोस्ट

समूह व संगठन

- स्वयं सहायता समूह (SHG) वित्त
- संयुक्त देयता समूह (JLG) वित्त
- किसान उत्पादक संगठन/कंपनी (FPO/FPC) – सदस्य व संगठन स्तर पर

त्वरित व उद्यम ऋण

- स्वर्ण ऋण (कृषि) – आभूषण/सिक्कों पर
- चाँदी पर ऋण
- खाद्य व कृषि प्रसंस्करण इकाइयाँ

खेत और किसान के लिए – प्रमुख उत्पाद एवं शर्तें

उत्पाद	किसके लिए / उद्देश्य	ऋण राशि	मार्जिन	चुकौती
किसान क्रेडिट कार्ड (यूनियन ग्रीन कार्ड)	भू-स्वामी, किरायेदार किसान, बटाईदार, SHG/JLG – फसल, कटाई-उपरांत, घरेलू व संबद्ध ज़रूरतें	वित्त-मान × क्षेत्रफल + 10% घरेलू + 20% रख-रखाव + बीमा; हर वर्ष 10% वृद्धि; सीमांत किसान: Rs 10,000–50,000	शून्य	5 वर्ष वैध, वार्षिक समीक्षा
किसान तत्काल ऋण	2 वर्ष से नियमित KCC खाताधारक – खेती/घरेलू आकस्मिक ज़रूरत	Rs 1,000 – Rs 50,000 (KCC सीमा का 50% या आय का 25%)	शून्य; अतिरिक्त प्रतिभूति नहीं	अधिकतम 5 वर्ष
किसान ऑल-पर्पज़ टर्म लोन (KAPTL)	2-3 वर्ष की पूरी निवेश योजना – यंत्र, सिंचाई, भूमि विकास, बागवानी, पशुपालन – एक ही सीमा	वार्षिक आय का 5 गुना या भूमि मूल्य का 50%; अधिकतम Rs 20 लाख	लघु-सीमांत 5%, अन्य 15%	अधिकतम 9 वर्ष
फार्म मैकेनाइज़ेशन	नया ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, पावर टिलर व सभी कृषि यंत्र	इकाई लागत का 85% तक	Rs 1.60 लाख तक शून्य; ऊपर 15%	ट्रैक्टर 9 वर्ष, टिलर 7 वर्ष
फार्म इरिगेशन / फार्म डेवलपमेंट	बोरवेल, ड्रिप-स्प्रिंकलर, पाइपलाइन, पंपसेट, तालाब; समतलीकरण, बंधान, बाड़	नाबार्ड इकाई लागत (±20%)	Rs 1.60 लाख तक शून्य; ऊपर 10%	अधिकतम 9 वर्ष (12 माह छूट)
नवीकरणीय ऊर्जा – सोलर पंप	जल-स्रोत वाले किसान – सोलर पैनल + पंपसेट	उपकरण लागत का 75% तक	25% (सब्सिडी मार्जिन मान्य)	अधिकतम 7 वर्ष
फार्म ट्रांसपोर्ट (2/3/4 पहिया)	बड़ी/बिखरी जोत, मिश्रित खेती, मंडी से दूर किसान (आयु 70 तक)	एक्स-शोरूम का 85%: 2W Rs 1 लाख, 3W Rs 5 लाख, 4W Rs 25 लाख	15%	वाहन अनुसार किस्तें
कृषि भूमि क्रय / ऋण अदला-बदली	लघु-सीमांत किसान व बटाईदार – भूमि खरीद; साहूकार का कर्ज़ चुकाना	भूमि: Rs 10 लाख तक; अदला-बदली: KCC सीमा का 25%, Rs 1 लाख तक	भूमि 20%; अदला-बदली शून्य	भूमि 10 वर्ष; अदला-बदली 5 वर्ष

पशुपालन, भंडारण, समूह व उद्यम के लिए – प्रमुख उत्पाद एवं शर्तें

उत्पाद	किसके लिए / उद्देश्य	ऋण राशि	मार्जिन	चुकौती
KCC – पशुपालन एवं मत्स्य (CCAHF)	डेयरी, बकरी-भेड़, पोल्ट्री, मछली पालक (SHG/JLG, किरायेदार भी) – चारा, दवा, आहार, मज़दूरी	ज़िला तकनीकी समिति के वित्त-मान पर; Rs 2 लाख तक 7% व ब्याज अनुदान	शून्य	रिवॉल्विंग; Rs 3 लाख तक शुल्क शून्य
डेयरी – मिनी व वाणिज्यिक	दुधारू पशु, शेड, मिल्किंग मशीन, चिलिंग यूनिट; मिनी (10 पशु तक) व वाणिज्यिक	नाबार्ड इकाई लागत; कार्यशील पूँजी CCAHF से	Rs 1.60 लाख तक शून्य; ऊपर 10%	84 माह तक (6 माह छूट)
भेड़-बकरी-सूअर / पोल्ट्री / मत्स्य	मांस-ऊन-प्रजनन; शेड, चूज़े, उपकरण; तालाब, नाव, जाल, बीज व आहार	नाबार्ड इकाई लागत (±20%)	Rs 1.60 लाख तक शून्य, ऊपर 10%; पोल्ट्री 25%	7 वर्ष तक
गोदाम रसीद पर ऋण (WHR)	अनुमोदित गोदाम/कोल्ड स्टोरेज की रसीद पर – फसल रोकें, सही भाव पर बेचें	प्रति किसान Rs 50 लाख तक	वस्तु-वार	12 माह के भीतर
यूनियन एग्री सर्विसेज़ (कस्टम हायरिंग)	ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, बोरिंग मशीन, रीफर वैन का बेड़ा रखकर किसानों को किराये पर सेवा	प्रति उधारकर्ता Rs 5 करोड़ तक	नया 25%; पुराना 40%	84 माह तक
स्वर्ण ऋण (कृषि)	आभूषण/सिक्कों पर – फसल खर्च व संबद्ध गतिविधियों हेतु त्वरित ऋण	22 कैरेट मूल्य का 75% या प्रति ग्राम दर	25%	योजना अनुसार
SHG / JLG वित्त	10-20 सदस्यीय स्वयं सहायता समूह; 4-10 सदस्यीय संयुक्त देयता समूह	समूह की बचत व ग्रेडिंग पर (नाबार्ड टूल)	शून्य	नकदी प्रवाह अनुसार
FPO/FPC व खाद्य-कृषि प्रसंस्करण	पंजीकृत FPO (500+ किसान) – सदस्य व संगठन स्तर पर फसल, आदान, उपज एकत्रीकरण, भंडारण; प्रसंस्करण इकाइयाँ	FPO: SFAC गारंटी से Rs 1 करोड़ तक बिना बंधक; प्रसंस्करण Rs 10 लाख – 100 करोड़	परियोजना अनुसार; प्रसंस्करण 25%	नकदी प्रवाह अनुसार

कृषि अवसंरचना कोष (AIF) एवं FPO – सामूहिक शक्ति, बड़ा मुनाफ़ा

यूनियन एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर लोन स्कीम (AIF)

- किसके लिए: किसान, FPO, PACS, SHG/JLG, कृषि-उद्यमी, स्टार्टअप
- क्या बनेगा: गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग-ग्रेडिंग, पैकहाउस, राइपनिंग चैंबर, प्राथमिक प्रसंस्करण
- नई तकनीक: ड्रोन, सेंसर, कस्टम हायरिंग सेंटर, सोलर पंप (PM-KUSUM), वर्मी-कम्पोस्ट, नर्सरी
- Rs 2 करोड़ तक – 3% ब्याज अनुदान, 7 वर्ष तक
- CGTMSE गारंटी – Rs 2 करोड़ तक बिना गिरवी; चुकौती 10 वर्ष तक (2 वर्ष तक छूट अवधि)

बिहार में यूनियन बैंक: AIF के अंतर्गत 74 परियोजनाएँ पहले ही वित्तपोषित – आपकी परियोजना अगली हो सकती है

किसान उत्पादक संगठन (FPO) – मिलकर खरीदें, मिलकर बेचें

- छोटे किसान अकेले नहीं – 300+ किसान मिलकर FPO बनाएँ: थोक में खाद-बीज, साझा मशीनरी, सीधे बाज़ार/निर्यातक से सौदा
- केंद्र की 10,000 FPO योजना – गठन व प्रबंधन सहायता, इक्विटी अनुदान
- यूनियन बैंक से FPO को कार्यशील पूँजी व सावधि ऋण – SFAC / NABSanrakshan क्रेडिट गारंटी के साथ
- मखाना, लीची, मक्का, सब्ज़ी, दुग्ध क्लस्टर – हर ज़िले में FPO के लिए बैंक तैयार

FPO + AIF = किसान के अपने गोदाम, अपना ब्रांड, अपना मूल्य – बिचौलिये से मुक्ति

स्रोत: कृषि अवसंरचना कोष दिशानिर्देश (कृषि मंत्रालय); यूनियन बैंक UAILS; SLBC बिहार AIF स्थिति 30.06.2026

पशुपालन, डेयरी, मत्स्य व मखाना – आय की दूसरी धारा

पशुपालन व डेयरी

- KCC (पशुपालन): चारा, दवा, रख-रखाव के लिए कार्यशील पूँजी – ब्याज अनुदान सहित
- वाणिज्यिक डेयरी इकाई, पशु खरीद, बल्क मिल्क कूलर के लिए सावधि ऋण
- AHIDF: दुग्ध/मांस प्रसंस्करण, पशु आहार संयंत्र – 3% ब्याज अनुदान व क्रेडिट गारंटी
- बिहार में यूनियन बैंक: 16,765 पशुपालन KCC – Rs 216 करोड़

मत्स्य पालन

- KCC (मत्स्य): तालाब, बीज, आहार व जाल के लिए कार्यशील पूँजी
- PM मत्स्य संपदा योजना के साथ तालाब निर्माण, RAS/बायोफ्लॉक, हैचरी के लिए ऋण
- बिहार मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर – अब निर्यात व प्रसंस्करण की बारी
- मछुआ सहकारी समितियों व समूहों के लिए विशेष सुविधा

मखाना – बिहार का सुपरफूड

- राष्ट्रीय मखाना बोर्ड (बजट 2025-26) – उत्पादन, प्रसंस्करण व विपणन
- राज्य की मखाना विकास योजना 2026-27: खेती से निर्यात तक अनुदान (बिहार कृषि ऐप से आवेदन)
- यूनियन बैंक: पॉपिंग/प्रसंस्करण इकाई, पैकेजिंग, ब्रांडिंग के लिए ऋण
- मखाना FPO के लिए AIF गोदाम व ग्रेडिंग यूनिट

स्रोत: केंद्रीय बजट 2025-26; बिहार सरकार मखाना विकास योजना 2026-27; SLBC बिहार 30.06.2026

सरकारी योजनाएँ – बैंक खाते से जुड़कर पूरा लाभ

PM-KISAN

Rs 6,000 प्रति वर्ष – खाता आधार-सीडेड रखें, e-KYC पूरा करें

PM फसल बीमा (PMFBY)

सूखा, बाढ़, ओला – फसल नुकसान पर मुआवज़ा; KCC धारक सहज पात्र

PM-KUSUM

सोलर पंप पर अनुदान – डीज़ल खर्च से मुक्ति, बिजली बेचकर आय

कृषि अवसंरचना कोष

गोदाम/कोल्ड स्टोरेज – 3% ब्याज अनुदान, Rs 2 करोड़ तक गारंटी

10,000 FPO योजना

संगठन गठन व प्रबंधन सहायता; बैंक से क्रेडिट गारंटी युक्त ऋण

PMFME (सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण)

35% अनुदान (Rs 10 लाख तक) – अचार, मखाना, आटा, डेयरी उत्पाद

PMEGP व मुद्रा

कृषि-आधारित उद्यम व सेवा के लिए अनुदान युक्त / बिना गिरवी ऋण

बिहार +1% ब्याज अनुदान

KCC फसल ऋण Rs 3 लाख तक – समय पर चुकाने वालों को

PM सूर्य घर

घर की छत पर सोलर – 300 यूनिट तक मुफ़्त बिजली, बैंक ऋण उपलब्ध

डिजिटल बैंकिंग – किसान की हथेली में बैंक

Union Ease ऐप व UPI

खाता, लेन-देन, KCC की जानकारी व भुगतान – 24x7, बिना शाखा गए

WhatsApp बैंकिंग: 9666606060

बैलेंस, मिनी स्टेटमेंट, सेवाएँ – एक संदेश में

ऑनलाइन KCC आवेदन

Jan Samarth पोर्टल व बैंक वेबसाइट पर 'Apply Now'; डिजिटल KCC से तेज़ प्रक्रिया

बैंक मित्र (BC) व डोरस्टेप बैंकिंग

गाँव में ही जमा-निकासी, आधार-आधारित भुगतान (AePS), वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर पर सेवा

15.4 करोड़ UPI लेन-देन

बिहार में यूनियन बैंक के ग्राहकों द्वारा एक तिमाही में – Rs 22,541 करोड़ (अप्रैल–जून 2026)

साइबर सुरक्षा – सावधानी ही बचाव

- OTP, PIN, CVV या पासवर्ड किसी को न बताएँ – बैंक कभी नहीं माँगता
- अनजान लिंक/APK पर क्लिक न करें; 'KYC अपडेट' या 'खाता बंद' वाले कॉल से सावधान
- "डिजिटल अरेस्ट" जैसी धमकी पर घबराएँ नहीं – तुरंत फ़ोन काटें
- ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें व बैंक को सूचित करें
- शिकायत/सहायता: टोल-फ्री 1800 2333

स्रोत: SLBC बिहार – डिजिटल लेन-देन तालिका 30.06.2026; यूनियन बैंक डिजिटल सेवाएँ

सामाजिक सुरक्षा – किसान परिवार का कवच

Union Bank of India
A Government of India Undertaking

PM जीवन ज्योति बीमा (PMJJBY)

Rs 436 / वर्ष

किसी भी कारण से मृत्यु पर परिवार को Rs 2 लाख

PM सुरक्षा बीमा (PMSBY)

Rs 20 / वर्ष

दुर्घटना में मृत्यु/पूर्ण विकलांगता पर Rs 2 लाख

अटल पेंशन योजना (APY)

छोटा मासिक अंशदान

60 वर्ष के बाद Rs 1,000 से Rs 5,000 तक मासिक पेंशन

PM फसल बीमा (PMFBY)

न्यूनतम प्रीमियम

फसल नुकसान पर मुआवज़ा – खरीफ 2%, रबी 1.5% प्रीमियम

Rs 456 प्रति वर्ष – यानी दिन के सवा रुपये से भी कम – में परिवार को Rs 4 लाख का सुरक्षा कवच

यूनियन बैंक ने केवल एक तिमाही (जुलाई–सितंबर 2026) में 6.23 लाख PMJJBY, 21.76 लाख PMSBY व 2.85 लाख APY नामांकन किए। शाखा या बैंक मित्र से आज ही नामांकन कराएँ – प्रीमियम खाते से स्वतः कटेगा; नॉमिनी का नाम अवश्य दर्ज करें।

स्रोत: भारत सरकार – PMJJBY, PMSBY, APY, PMFBY योजना दिशानिर्देश; नामांकन आँकड़े – यूनियन बैंक प्रेस विज्ञप्ति Q2 FY27 (19.10.2026)

बिहार के किसानों से यूनियन बैंक के पाँच वादे

KCC संतृप्ति	हर पात्र किसान को KCC – जिसके पास नहीं है, उसे बनाएँगे; आवेदन का समयबद्ध निपटान
पशुपालन व मत्स्य KCC अभियान	हर गाँव में पशुपालक व मछुआरे को कार्यशील पूँजी – विशेष शिविरों के माध्यम से
FPO व AIF को प्राथमिकता	हर ज़िले में किसान उत्पादक संगठनों व भंडारण/प्रसंस्करण परियोजनाओं को तेज़ स्वीकृति
महिला किसान व जीविका दीदियाँ	SHG ऋण-संबद्धता, महिला उद्यमियों को प्राथमिकता – सरल प्रक्रिया
वित्तीय साक्षरता व डिजिटल प्रशिक्षण	शाखा-स्तर पर किसान चौपाल, साइबर सुरक्षा जागरूकता, योजनाओं की जानकारी

किसान भाइयों-बहनों से अनुरोध

- समय पर चुकौती = सबसे कम ब्याज, बढ़ी हुई सीमा और अच्छा सिबिल स्कोर
- आधार व मोबाइल नंबर खाते से जोड़ें – हर योजना का पैसा सीधे मिलेगा
- अपने क्षेत्र में FPO बनाएँ या जुड़ें – बैंक हर कदम पर साथ
- बीमा व पेंशन योजनाओं में परिवार को नामांकित करें
- कोई समस्या हो तो शाखा प्रबंधक या टोल-फ्री 1800 2333 पर बताएँ

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया – हर किसान का भरोसेमंद साथी, हर गाँव में

समृद्ध किसान • समृद्ध बिहार • विकसित भारत @2047

धन्यवाद

जय किसान | जय बिहार

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचल कार्यालय पटना

टोल-फ्री: 1800 2333 | WhatsApp: 9666606060

www.unionbankofindia.bank.in | Union Ease ऐप

किसान सहयोग विमर्श | लोक भवन, पटना | 27 अक्टूबर 2026